

राज्यसभा उपसभापति के चुनाव के लिये मतदान में देरी मानदंडों के खिलाफ

चरचा में क्यों?

राज्यसभा के महासचिव देश दीपक वर्मा ने सरकार द्वारा राज्यसभा के उपसभापति के चुनाव में की जा रही देरी को नियम के वरिद्ध एवं संसदीय मर्यादा के खिलाफ बताया है। वरतमान में इस चुनाव ने राजनीतिक मोड़ ले लिया है और सरकार तथा विपक्ष के बीच खींचतान का विषय बन चुका है। उललेखनीय है कि विगत 30 जन, 2018 को शरी पी.जे. करयिन की सेवानवित्तति के बाद उपसभापति का पद रिकत हो चका है।

प्रमुख बदुि:

- राजयसभा के उपसभापति पद को निरसत नहीं किया जा सकता है। इस संदरभ में नियम में कोई परावधान नहीं मौजद है।
- राज्यसभा के उपसभापति के चुनाव में अनिश्चितिकालीन देरी करना संसदीय गरिमा के विरुद्ध होगा।
- गौरतलब है कि राजयसभा के नियमों में उपसभापतियों की तालिका (panel of Vice-Chairman) होती <mark>है जिसमें</mark> सद<mark>न के</mark> छ: से सात वरिषठ सदसय शामिल होते हैं । ये सदस्य सभापति या उपसभापति की अनुपस्थिति में सदन की अध्यक्षता <mark>कर</mark>ते <mark>हैं । कितु</mark> तालि<mark>का के सदस्य उपसभापति की भूमिका</mark> नहीं निभा सकते। Vision

उपसभापति के बारे में:

- यह ऊपरी सदन का पीठासीन अधिकारी होता है।
- राज्यसभा द्वारा अपने सदस्यों में से किसी एक को उपसभापति के रूप में चुना जाता <mark>है और यदि कि</mark>सी कारण उपसभापति का पद खाली हो जाता है तो सदन पुनः नए उपसभापति का चुनाव करता है।
- उपसभापति निम्नलिखति तीन कारणों से अपना पद रिक्त करता है-
 - राज्यसभा से उसकी सदस्यता समाप्त हो जाने पर;
 - सभापति को लखिति त्यागपत्र सौपकर और
- 🔷 यदि राज्यसभा उसे हटाने के लिये बहुमत से प्रस्ताव पारित करती है। उल्लेखनीय है कि ऐसे प्रस्ताव के लिये 14 दिन पूरव नोटिस देना अनविार्य
- सभापति का पद खाली रहने या सभापति की अनुपस्थिति में उपसभापति, सभापति के रूप में कार्य करता है। साथ ही दोनों मामलों में उसमें सभापति की सभी शक्तयाँ नहिति होती हैं।
- उल्लेखनीय है कि उपसभापति सभापति का अधीनस्थ नहीं होता है बल्कि वह राज्यसभा के परति उत्तरदायी होता है।
- उपसभापति भी सभापति की तरह सदन की कार्यवाही के दौरान <mark>बराबर</mark> मत की स्थिति मिं ही मतदान कर सकता है न कि पहले। इस तरह उसे निर्णायक मत देने का अधिकार है।
- उपसभापति को हटाने का परसताव विचाराधीन रहने <mark>पर वह सद</mark>न की कारयवाही के लिये पीठासीन नहीं हो सकता है, भले ही वह सदन में उपसथित हो।
- सभापति दिवारा सदन की कार्यवाही की अध्यक्षता के दौरान उपसभापति एक सामान्य सदस्य की तरह सदन की कार्यवाही में भाग लेता है और मतदान की स्थिति में मतदान भी कर सकता है।
- उपसभापति को संसद दवारा निर्धारित नियमित वेतन एवं भतता परापत होता है और यह भारत की संचित निर्धि पर भारति होता है।

PDF Reference URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rajya-sabha-deputy-speaker-election